चतुर्थ प्रश्नपत्र 2016

जनहित अधिवक्ता व्यवसाय तथा विधिक मदद और पैराविधिक सेवायें

PUBLIC INTREST LAWYERING, LEGAL AID AND PARA LEGAL SERVICES

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

1. भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय की अवधारणा के बदलते हुए आयामों को निर्णीत वादों की सहायता से समझाइए।
   Explain the concept of changing dimentions of social justice under the constitution of India with the hlep of decided cases.
2. विधिक सहायता क्या है? किस प्रकार विधिक सहायता को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेजों में मान्यता प्रदान की गई है। व्याख्या कीजिए।
   What is Legal Aid? How the legal aid is recognized by the various International Documents ? Discuss.
3. विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों को निम्नलिखित के अंतर्गत समझाइए-
   (1) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973
   Explain the provisions regarding legal and given under the following : http://www.davvonline.com
   (i) Code of Civil Procedure, 1908
   (ii) Code of Crimnal Procedure, 1973.
4. निम्नलिखित की महत्ता पर लेख लिखिए-
   (1) विधिक साक्षरता शिविर (2) विधिक सहायता शिविर
   Write note on the importance of following :
   (i) Legal Literacy Camp (ii) Legal Aid Clinic
5. "वर्तमान में विधिक व्यवसाय, विधिक शिक्षा एवं विधिक शोध हेतु कम्प्यूटर का उपयोग आवश्यक है"- उक्त कथन की व्याख्या कीजिए।
   "In present scenario use of computer is essential in Legal profession, legal education and legal research." Comments on above statement.
6. 'लोकहित वाद का तात्पर्य आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों के हितों की रक्षा करना है।' उपरोक्त कथन की विवेचना न्यायिक वादों की सहायता से कीजिए।
   "The purpose of Public Interest Lawyering is to Vindicate Economically disadvantages peoples." Discuss the above statement with the help of Judicial Cases.
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -
   (1) उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति
   (2) विधि आयोग की चौदहवीं रिपोर्ट

   Write short notes on any two of the following:
   (i) Supreme Court Legal Service Committee
   (ii) XIV (Fourteenth) Report of Law Commission.
8. न्याय देने में लोक अदालतों की भूमिका, सुसंगता एवं महत्त्व की विवेचना कीजिए।
   Discuss the role, reference and importance of Lok Adalat's in giving justice. http://www.davvonline.com
9. निम्न को समझाइये-
   (1) विधिक पत्रिका का संपादन (2) बाल श्रमिक
   Explain the following :
   (i) Editing of law journal (ii) Child labour.
10. केशवानंद भारतीय बनाम केरल राज्य (1973) 4 एससीसी 225 वाद के तथ्यों एवं प्रतिपादित विधि सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
    State the facts and principles of law laid down in case of Kesavanand Bharti Vs. State of Kerala (1973) 4 SCC 225.